MP Board Class 8th General English Notes Chapter 6 Measure for Measure

Measure for Measure Summary

1. King Krishna Devaraya was known for his patronage of poets and scholars and he was equally fond of fine arts. Once he came to know about a brilliant artist named Raja Varma. He invited Raja Varma to the court and asked him to draw his portrait.

अनुवाद:
राजा कृष्ण देवराय कवियों और विद्वानों के संरक्षक के रूप में जाने जाते थे और वह ललित कलाओं के भी बराबर प्रशंसक थे। एक बार उन्हें राजा वर्मा नामक प्रतिभाशाली चित्रकार के बारे में ज्ञात हुआ। उन्होंने राजा वर्मा को दरबार में आमन्त्रित किया और उसे अपना एक चित्र बनाने को कहा।

The king was very pleased with the artist when his portrait was ready. In the portrait the majestic and handsome king seemed to have come alive within the frame.

अनुवाद:
राजा कलाकार से बहुत प्रसन्न हुआ जब उसका चित्र तैयार हुआ। चित्र में प्रतापी तथा सुन्दर राजा फ्रेम में सजीव दिखाई पड़ता था।

2. This portrait apart, Raja Varma drew images of prominent characters of men and women, from the 'Puranas', and so on. He became well-known for his genius, and close and dear to the king. Overwhelmed with joy, Krishna Devaraya called the artist and asked him what he wanted. When Raja Varma did not reply, the king, on the spur of generous impulse, rewarded him with the chief ministership.

अनुवाद:
इस चित्र के अलावा राजा वर्मा ने और भी पुराणों के प्रमुख स्त्री एवं पुरुष पात्रों के चित्र बनाए। वह अपनी प्रतिभा के कारण राजा का प्रिय व नजदीकी बन गया। अत्यधिक प्रसन्नता के साथ कृष्ण देवराय ने कलाकार को बुलाया और उससे पूछा कि वह क्या चाहता है। जब राजा वर्मा ने उत्तर नहीं दिया तो राजा ने तुरन्त उदारतावश उसे मुख्यमंत्री के पद से पुरस्कृत किया।

3. Though Raja Varma was a good man and a brilliant artist, he had no experience whatsoever of administration. Soon everything was thrown into disorder and chaos because of his hasty decisions and bad management of the state affairs. Though people were unhappy with his administration, they did not dare complain to the king because the king was very fond of him. The elders of the town finally approached and sought Tenali Raman's help in getting rid of the new and inept Chief Minister. Tenali Raman assured them, "I shall soon find a harmless way to remove the artist from the Chief ministership."

अनुवाद:
यद्यपि राजा वर्मा एक अच्छा व्यक्ति और कुशल कलाकार था, उसको प्रशासन का कोई अनुभव नहीं था। जल्दी ही, उसके जल्दबाजी में लिए गये निर्णयों और राज-काज के गलत प्रशासन के कारण सब कुछ अस्त-व्यस्त हो गया। यद्यपि लोग उसके प्रशासन से अप्रसन्न थे, वे राजा से शिकायत करने का साहस नहीं जुटा सके क्योंकि राजा उससे अधिक प्यार करता था। अन्त में शहर के बुजुर्ग तेनाली रामन के पास गये और नये व अयोग्य मुख्यमन्त्री से छुटकारा पाने में उसकी सहायता माँगी। 1 तेनाली रामन ने उन्हें आश्वासन दिया, "मैं मुख्यमंत्री पद से कलाकार को हटाने का एक हानिरहित तरीका जल्दी ही निकाल लूँगा।".

4. After a few weeks Tenali Raman invited the king, the queen and some courtiers to his house for lunch. Meanwhile, he found a very good carpenter and put him on the job of preparing a sumptuous feast for the king. · The king and others sat for lunch and at Tenali Raman's order, the carpenter began serving them. As soon as they put the first morsel of food in their mouths, the people began to pant and rasp, asking for water again and again.

अनुवाद:
कुछ सप्ताह बाद तेनाली रामन ने राजा, रानी और कुछ दरबारियों को भोजन के लिए अपने घर पर आमन्त्रित किया। इस अवधि में उसने एक बहुत अच्छा बढ़ई ढूँढ़ा और राजा के लिये एक शानदार भोज की तैयारी का काम उसे सौंप दिया। राजा और अन्य लोग भोजन के लिए बैठ गए और तेनाली रामन के आदेश पर बढ़ई उन्हें खाना परोसने लगा। जैसे ही उन्होंने भोजन का पहला कौर अपने मुँह में डाला लोग बार-बार पानी माँगते हुए हाँफने और अजीब सी आवाजें निकालने लगे।

5. Soon after tasting the food, the king realized that the food was badly cooked and was unbearably hot. He was livid.

अनुवाद:
जल्दी ही भोजन का स्वाद लेने के बाद राजा को एहसास हुआ कि खाना बेहद खराब था और उसमें अत्यधिक मिर्च थी। वह अत्यधिक नाराज हो गया।

6. "Raman, who has cooked this food ? Do you want us all to suffer and die by eating this horrible food ?" In his usual humble way Tenali Raman said, "I I beg your Majesty's forgiveness." Then he showed the In carpenter to the king. "I have never come across such at excellent carpenter and I have put him on the job of cooking the lunch for today's feast."

अनुवाद:
"रामन, किसने यह भोजन पकाया है ?" क्या तुम हम सभी को इस भयंकर खराब भोजन को खिलाकर बीमार करना या मारना चाहते हो ?"
सदैव की तरह नम्रता के साथ तेनाली रामन ने कहा, "मैं हुजूर से क्षमा चाहता हूँ". तब उसने राजा को बढ़ई को दिखाया। "मैंने इससे अच्छा बढ़ई आज तक नहीं देखा है और आज के भोज के लिए खाना पकाने का काम मैंने इसे ही सौंपा था।"

https://www.evidyarthi.in/

7. The king began laughing loudly. “Have you lost all sense, Raman ? A good carpenter should be employed to work on wood but not on food. How did you get this funny idea ?” Tenali Raman asked the king courteously, “Lord! If an artist can become a chief minister, can’t a carpenter become a cook ?” The king at once understood that Tenali Raman got a carpenter to make him realize his error in making Raja Varma the chief minister.

अनुवाद:
राजा जोर से हँसने लगा। “रामन, क्या तुम्हारा विवेक चला गया है ? एक अच्छे बढ़ई को लकड़ी का काम करने के लिए रखना चाहिए न कि भोजन के लिए। तुम्हें यह हास्यास्पद विचार कैसे सूझा ?” तेनाली रामन ने राजा से विनम्रता से पूछा, “महाराज, यदि एक कलाकार मुख्यमंत्री बन सकता है तो एक बढ़ई रसोइया क्यों नहीं बन सकता है ?” राजा तुरन्त समझ गया कि तेनाली रामन राजा वर्मा को मुख्यमंत्री बनाने की उसकी गल्ती का एहसास कराने के लिए ही एक बढ़ई को लायें।

8. The king was saved the embarrassment of removing Raja Varma from the post, because, when Raja Varma came to know about the awkward incident at Raman’s house, he immediately resigned from his post. Later Raja Varma told Tenali Raman that he was happy to remain an artist.

अनुवाद:
राजा वर्मा को पद से हटाने की परेशानी से राजा। कृष्ण देव राय बच गये क्योंकि जब राजा वर्मा को रामन के घर में घटित अप्रिय घटना के बारे में मालूम हुआ तो उसने तुरन्त अपने पद से त्याग-पत्र दे दिया। बाद में राजा वर्मा ने तेनाली रामन से कहा कि वह कलाकार बने रहने में ही प्रसन्न है।